कार्यालय- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास), झारखण्ड, रांची- 2

पत्रांक-   दिनांक-

प्रेषक,

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास),
झारखण्ड, रांची- 2

सेवा में,

सचिव,
वन एवं पर्यावरण विभाग,
झारखण्ड सरकार, रांची

विषय- **वित्तीय वर्ष 2008-09 में कार्यान्वित की जाने वाली अन्य उद्यान योजना (जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना) के अन्तर्गत कुल रु० 547.091 लाख (पाँच करोड़, सैंतालीस लाख, नौ हजार, एक सौ रूपये) मात्र के व्यय का स्वीकृत्यादेश निर्गत करने के संबंध में ।**

महाशय,

वित्तीय वर्ष 2008-09 में कार्यान्वित की जाने वाली अन्य उद्यान योजना (जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना) का प्रस्ताव समर्पित किया जा रहा है । योजना से संबंधित जानकारियां निम्नवत है :-

1. क) **भगवान बिरसा जैविक उद्यान की स्थापना** वन्य प्राणियों के संवर्धन, उनके प्राकृतिक संरक्षण को सुदृढ़ करने तथा विलुप्त होते दुर्लभ वन्य जीवों के संरक्षण एवं पुनर्वास हेतु की गयी है। यह 107 हे० क्षेत्र में फैला हुआ है, इसमें 83 हे० में जन्तु अनुभाग तथा 23 हे0 में वनस्पति अनुभाग अवस्थित है । प्राकृतिक वन परिवेश के कारण यहाँ जंगली बिल्ली, लोमड़ी, सियार, खरहा, साँप तथा पक्षी स्वभाविक रूप से इस उद्यान में मौजूद है । वर्तमान योजनान्तर्गत जैविक उद्यान में वाक एराउण्ड एवियरी का निर्माण (समापन कार्य), वन विश्रामागार एवं उसके आउट हाउस का का निर्माण (समापन कार्य) , वन विश्रामागार का फर्निशिंग, उपस्कर तथा जेनरेटर व्यवस्था, हाथी इन्क्लोजर का सुदृढ़ीकरण कार्य, वन्यप्राणी आदान प्रदान, जन्तु अस्पताल का पुनरूद्धार कार्य, पार्क कैंटीन पुनरूद्धार कार्य, फीड गोदाम-सह-किचेन का सुदृढ़ीकरण कार्य, बैट्री ऑपरेटेड बस के लिए नयी बैट्री का क्रय, एक्वेरियम का परिचालन तथा बाहरी स्थल का विकास, लेसर कैट इन्क्लोजर्स (2 संख्या) का सुदृढ़ीकरण, हिप्पो केज का सुदृढ़ीकरण, हाथी इन्क्लोजर के मोट के उपर पुल का निर्माण, नीलगाय इन्क्लोजर में रिटायरिंग सेल्स का निर्माण, साइनेजेज/ होर्डिंग्स की व्यवस्था, जैविक उद्यान का सौंदर्यीकरण, क्वारणटाइन वार्ड हेतु स्कवीज केजेज की व्यवस्था (2 अदद), हिमालय काला भालू इन्क्लोजर में हिलॉक केव का निर्माण, हिमालयन काला भालू इन्क्लोजर में स्ओील हैंगिग ब्रिज निर्माण (2संख्या), वन्यप्राणियों का पालन एवं प्रदर्श, लघु निर्माण कार्य, मृदा एवं जल संरक्षण कार्य, मृदा एवं जल संरक्षण कार्य, पार्किग क्षेत्र, सूचना केन्द्र एवं टिकट काउन्टर, पक्का रेस्ट शेड, पम्प हाउस, कैफेटेरिया, चेनलिंक मेश घेरान, मोटवाल/स्टोन रिटेनिंग वाल, चहारदिवारी, ट्रांसपोर्ट केजेज, जानवरों का रिटायरिंग सेल्स, शवदाह गृह, पोस्टमार्टम घर, गैंडा इन्क्लोजर का उन्नयन, विभिन्न श्रेणी के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास गृहों का सुदृढ़ीकरण, वन संरक्षक-सह-निदेशक कार्यालय का सुदृढ़ीकरण, मुरम रोड एवं पक्का रोड का सुदृढ़ीकरण, विकलांग व्यक्तियों के लिए शौचालय का निर्माण, अबाध विद्युत आपूर्ति व्यवस्था संचालन,

जलापूर्ति व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, **2007–08 का समापन कार्य**– गोदाम का निर्माण, गैरेज का निर्माण, मुख्य द्वार एवं पहुच पथ का सौदर्यीकरण, मगर केज के नजदीक प्रसाधन गृह का जीर्णोद्धार, हिरण केज के नजदीक प्रसाधन गृह का जीर्णोद्धार, कैंटीन के अन्दर नजदीक प्रसाधन गृह का जीर्णोद्धार, एमू इन्क्लोजर का विस्तार, लेक के नजदीक प्रसाधन गृह का निर्माण, 2 शेड का निर्माण, 3 बेंच का निर्माण, बंदर केज का सृदृढ़ीकरण आदि का निर्माण प्रस्तावित है ।

ख) **मुटा मगर प्रजनन केन्द्र की स्थापना** वर्ष 1982 में की गई थी । इसका मुख्य उद्देश्य लुप्त हो रहे मगरों का संरक्षण एवं उनके कैप्टीव ब्रिडींग के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है । यह प्रजनन केन्द्र भेड़ा नदी के किनारे मुटा में 6 हेचलिंग, 4 इयरलिंग पुल, 3 इनक्यूबेटर तथा 2 कक्षा की पानी टंकी जैसे आधारभूत संरचनाओं के साथ अवस्थित है । वर्तमान योजनान्तर्गत हिरणों को पानी पीने हेतु पानी टंकी का निर्माण तथा पाईप लाइन की व्यवस्था करना, प्रचार प्रसार हेतु साइनबोर्ड, होर्डिंगस्, पोस्टर्स, पैम्पलेटस्, ब्रोशर आदि का निर्माण, घास के मैदान का रख–रखाव, घास के मैदान में पानी पटाने हेतु बोरिंग एवं जल व्यवस्था, हरणों के लिए शेड का निर्माण, सोलर लाइट की स्थापना–5 संख्या, इन्क्लोजर में तार जाली का उन्नयन, वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन, मुटा ग्राम में इको विकास कार्य, वनपथ का सुदृढ़ीकरण, मगरों के लिए महिषमांस एवं हिरणों के लिए चारा, साल्ट लिक, दवा आदि की व्यवस्था, मगर तथा हिरण इन्क्लोजर का प्रबंध, जल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति आदि की व्यवस्था, वन विश्रामागार एवं अन्य भवनों का उन्नयन, मुख्यालय स्थित वाहनों, जेनरेटर, पम्प का परिचालन, मुख्यालय स्थित विभागीय भवनों की सुरक्षा व्यवस्था आदि कार्य प्रस्तावित है ।

ग) **बिरसा मृग बिहार, कालामाटी की स्थापना** वित्तीय वर्ष 1982 में की गई थी । यह 57 एकड़ क्षेत्र में साल पोल क्रॉप एवं छोटे घास के मैदानों के सम्मिश्रण के रूप में अवस्थित है। वर्तमान योजनान्तर्गत साल वृक्ष के तनों को तार की जाली से घेरान कार्य हिरणों द्वारा साल तने को होने वाले क्षति से बचाव हेतु, चारागाह एवं रोटेशनल ग्रेजिंग की व्यवस्था, प्रचार प्रसार हेतु साइनबोर्ड, होर्डिगस्, पोस्टर्स, पैम्पलेटस्, ब्रोशर आदि का निर्माण, हिरणों के लिए दो शेड का निर्माण, हिरणों के लिए पीने के पानी का हॉज का निर्माण कार्य, सफारी पथ के उपर मेस वायर की बढ़ोतरी कार्य, सफारी पथ के चारो ओर गार्डवाल तैयार करना एवं मेस वायर का ग्राउडिंग करना, निरीक्षण पथ के घेरान के उपर मेस वायर की बढ़ोतरी कार्य, चेनलिंक मेश का रख–रखाव पेन्टिग, आदि, पोस्टमार्टम रूम का निर्माण, हरणों के लिए लकड़ी आधारित शवदाह गृह का निर्माण कार्य, पेड़ों एवं पौधों का वनस्पति नामकरण का कार्य, वाटर होल्स का रख–रखाव कार्य, हिरणों का स्थानान्तरण, मृग विहार के लिए एक Action Plan/Management Plan का निर्माण, वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन, हिरणों को पकड़ने हेतु जाली का कय, चिल्ड्रेन पार्क का उन्नयन, कैंटीन का जीर्णोद्धार, दर्शक सुविधाओं का विस्तार, हिरणों की चिकित्सीय देखभाल, हिरणों के लिए चारा, साल्ट लिक की व्यवस्था, अबाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अतिरिक्त व्यवस्था, मुख्यालय स्थित विभागीय भवनों का उन्नयन, विभागीय डाटा का कम्प्यूटरीकरण कार्य, कार्यालय उपस्करों का कय, कालामाटी पार्क में हिरण इन्क्लोजरों के विकास, हिरणों की सुरक्षा एवं देखभाल, कालामाटी में वनपथ का उन्नयन (साइड ड्रेन के साथ),कालामाटी पार्क स्थित भवनों का उन्नयन आदि कार्य प्रस्तावित है ।

घ) **दलमा आश्रयणी की स्थापना** 1976 में हुई थी । इस आश्रयणी का क्षेत्रफल 132.22 वर्ग कि०मी० है । इस आश्रयणी में हाथी, माउस डियर, बार्किंग डियर तथा जंगली सुअर आदि वन्य प्राणी पाये जाते हैं । वर्तमान योजनान्तर्गत, जंगली हाथियों से सुरक्षा हेतु किरासन तेल, क्रैकर आदि का क्रय, जंगली हाथियों को भगाने की व्यवस्था, विशु शिकार की रोकथाम, वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन, वन्यप्राणी गणना, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था (ट्रेकर्स एवं वाहन परिचालन),वायरलेस का रख-रखाव, बैटरी, चार्जर का क्रय, 80 ग्राम इको विकास समिति के द्वारा अग्नि सुरक्षा कार्य 10000 रुपये प्रति ग्राम, वनपथों के किनारे फायर ट्रेसिंग 174 कि.मी.,अग्नि सुरक्षा हेतु 10 फायर वाचर की व्यवस्था, अग्नि प्रभाव से निपटने हेतु दो फलाईंग स्क्वाड की स्थापना (प्रति फलाईंग स्कवाड 6 व्यक्ति एवं सामग्री),साल्ट लिक की व्यवस्था, डियर पार्क, मकुलाकोचा में शेड एवं जल व्यवस्था, वनपथों का उन्नयन 7-72 कि.मी.,सोलर विद्युत फेंसिग का रख-रखाव, पिण्डराबेड़ा वन विश्रामागार में आवश्यक सामग्रियों का क्रय एवं जेनरेटर आदि का रख-रखाव, मवेशियों का टीकाकरण, मेडिकल कैम्प की स्थापना प्रतिमाह तीन कैम्प, प्रचार प्रसार हेतु साइनबोर्ड, होर्डिंगस्, पोस्टर्स, पैम्पलेटस्, ब्रोशर, डीयर रेस्क्यू सेंटर में हिरणों के लिए चारा, दवा आदि की व्यवस्था, वन विश्रामगार पिण्डराबेड़ा, कोंकाधारा वन विश्रामागार, मकुलाकोचा वन विश्रामागार, मकुलाकोचा बैम्बु हट, प्रकृति व्याख्या केन्द्र, क्षेत्र पदाधिकारी वनपाल तथा वनरक्षी आवासों, नाका शेडों एवं अन्य भवनों का उन्नयन आदि का निर्माण आदि कार्य प्रस्तावित है ।

ड.) **भारत सरकार द्वारा व्याघ्रों के संरक्षण एंव संवर्द्धन** हेतु वर्ष 1974 में पलामू जिले के कुल 928 वर्ग कि0 मी0 क्षेत्र में पलामू व्याघ्र योजना की शुरूआत की गयी । वर्ष 1983-84 में बढ़ाकर इसका क्षेत्र फल कुल 1026 वर्ग कि० मी० कर दिया गया, ताकि व्याघ्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ-साथ अन्य वन्य जीवों को भी संरक्षण एवं संवर्द्धन प्राप्त हो सके । इस योजना के अन्तर्गत पलामू बफर एरिया में 15 ग्रामों में इको विकास के तहत माइक्रोप्लान तैयार करना / 10000/- प्रति ग्राम, 2 ग्रामों में इको विकास कार्य का कार्यान्वियन / 4,00,000/- प्रति ग्राम, साइनेज का निर्माण, पलामू व्याघ्र आरक्ष के व्याघ्र संरक्षण योजना का अंतिम प्रकाशन, बफर एरिया अन्तर्गत ग्रामों में मेडिकल कैम्प की व्यवस्था (2कैम्प/माह/क्षेत्र) 5000 रुपये प्रति कैम्प, जंगली हाथियों से ग्रामीणों के फसलों की सुरक्षा हेतु 5 कि0 मी0 में सोलर फेंसिंग 1.50 लाख रुपये प्रति कि0मी0, हाथियों के उत्पात से बचाव हेतु पटाखे, किरासन तेल, मशाल, डीजल इत्यादि का क्रय, जंगली हाथियों के उत्पात से बचाव हेतु 20 प्रभावित ग्रामों में इको विकास समिति के माध्यम से बचाव कार्य 6000 रुपये प्रति समिति, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था (ट्रेकर्स एवं वाहन परिचालन),कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 141 कि0मी0 वनपथों का उन्नयन कार्य, विभागीय वन भवनों का उन्नयन कार्य कार्य प्रस्तावित है ।

च) **पलामू ब्याघ्र परियोजना, कोर एरिया** के 15 ग्रामों में इको विकास के तहत माइक्रोप्लान तैयार करना / 10000/- प्रति ग्राम, 2 ग्रामों में इको विकास कार्य का कार्यान्वियन /400000/- प्रति ग्राम, 5 हे0 में नये घास मैदान का निर्माण, साइनेज का निर्माण, बेतला पार्क के अन्दर 50.74 कि0मी0 में भ्यू स्ट्रीप की कटाई, बेतला पार्क क्षेत्र में 64.44 हे0 क्षेत्र में पार्थेनियम उखाड़ने का कार्य, मेडिकल कॅम्प की व्यवस्था (2 कैम्प/माह/क्षेत्र) 5000रुपये प्रति कैम्प, हाथियों के उत्पात से बचाव हेतु पटाखे, किरासन तेल, मशाल, डीजल इत्यादि का क्रय, जंगली हाथियों के उत्पात से बचाव हेतु 20 प्रभावित ग्रामों में इको विकास समिति के माध्यम से बचाव कार्य 6000 रुपये प्रति समिति , संवेदनशील क्षेत्रों में

विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था (ट्रेकर्स एवं वाहन परिचालन),ट्रैक्टर ट्रेलर का क्रय, जन जागरूकता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार सामग्री क्रय सहित, कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 115 कि0मी0 वनपथों का उन्नयन कार्य, विभागीय वन भवनों का उन्नयन कार्य, पालतू हाथियो का पालन, केचकी वन विश्रामागार के चाहरदिवारी का निर्माण–462 पीट, वन विश्रामागार–1 का जीर्णोद्धार, बेतला स्थित एन0आइ0 सेन्टर का जीर्णोद्धार, मुख्य वन विश्रामागार बेतला का बाथरूम सहित जीर्णोद्धार, सूचना सह सत्कार केन्द्र का जीर्णोद्धार आदि कार्य प्रस्तावित हैं ।

छ) **उधवा झील पक्षी आश्रयणी योजना** के अन्तर्गत आश्रयणी के आस–पास के विद्यालयों को सम्मिलित करते हुए वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन, प्रचार प्रसार हेतु साइनबोर्ड, होर्डिंगस्, पोस्टर्स, पैम्पलेटस्, ब्रोशर आदि का निर्माण, 1 ग्राम में इको विकास कार्य, सिंगिल रो में सौ पौधें का गैबियन प्लांटेशन (द्वितीय वर्ष का कार्य),झील के परित: एक कि0मी0 की लंबाई में तीन पंक्तियों में रैखिक वृक्षारोंपण (बांस घेरान सहित) (द्वितीय वर्ष का कार्य),झील के परित: दस हे0 क्षेत्र में सरकारी भूमि पर ब्लॉक प्लांटेशन (द्वतीय वर्ष का कार्य) आदि कार्य प्रस्तावित हैं ।

ज) **पालकोट वन्य प्राणी आश्रयणी योजना** के अन्तर्गत वन्यप्राणी गणना, हाथी सहित अन्य जंगली जानवरों से ग्रामीणों की जान–माल की सुरक्षा हतु गश्ती की व्यवस्था तथा ग्रामीणों के बीच वितरण हेतु किरासन तेल, कैकर आदि का क्रय, 30 ग्रामों में इको विकास समिति के द्वारा अग्नि सुरक्षा कार्य, अग्नि सुरक्षा दल पर व्यय, मवेशियों का टीकाकरण, मेडिकल कॅम्प की स्थापना, प्रचार–प्रसार हेतु साईन बोर्ड, पैम्पलेट ब्रोशियर आदि की व्यवस्था, वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन, 26. 455 कि0मी0 वनपथ का सुदृढ़ीकरण, वनक्षेत्र पदाधिकारी, वनपाल एवं वनरक्षी भवनों का उन्नयन, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था (ट्रेकर्स) आदि कार्य प्रस्तावित हैं ।

प्रस्तावित कार्यो की विस्तृत विवरणी अनु०–....... पर दृष्टब्य है ।

2 यह एक राज्य योजना है । वित्तीय वर्ष 2007–08 में बजट मुख्य शीर्ष– 2406 वानिकी और वन्य जीवन, उप मुख्य शीर्ष– 01 वानिकी, जनजातीय उपयोजना, लघु शीर्ष– 796 जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना, उप शीर्ष – 24 अन्य उद्यान के अन्तर्गत 834.424 लाख रू0 का बजट उपबन्ध स्वीकृत है । इससे पूर्व इस योजनान्तर्गत 236.875 लाख रू0 की योजना का प्रस्ताव सरकार की स्वीकति हेतु समर्पित की जा चूकी है । प्रस्तावित शेष उपबंध में राशि की इकाईवार विवरणी निम्नवत है:–

(रू०लाख में)

क्र० सं०	**प्राथमिक इकाई**	**रू०**	**बजट उपबंध**	**पूर्व में समर्पित योजना की इकाईवार विवरणी**	**बजट उपबंध के अनुसार उपलब्ध राशि**
क)	मजदूरी	रू०	327.98	41.720	286.260
ख)	सामग्री एवं पूर्तियां	रू०	354.844	57.155	297.689
ग)	व्यावसायिक सेवाए	रू०	2.00	0.000	2.000
घ)	मोटरगाड़ी एवं ईंधन मरम्मति	रू०	11.60	0.000	11.600
ड.)	मुआवजा	रू०	138.00	138.00	0.000
योग :–			**834.424**	**236.875**	**597.549**

(योजना बजट पृष्ठ सं०– 146)

3. वित्तीय वर्ष 2007–08 में इस योजनान्तर्गत किए गए कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि इस कार्यालय के पत्रांक 573 दिनांक 25.04.08 एवं पत्रांक 626 दिनांक 20.05.08 द्वारा समर्पित कर दिया गया है ।

4. प्रस्तावित कार्यो के लिए राशि निम्नलिखित प्राथमिक इकाईयों में विकलनीय होगी:–

क्र० सं०	प्राथमिक इकाई	प्रस्तावित व्यय विवरणी
क)	मजदूरी	242.993
ख)	सामग्री एवं पूर्तियां	304.098
योग :–		**547.091**

5. इस योजना के क्रियान्वयन से 2.700 लाख मानव दिवस का सृजन होगा ।

6. वित्तीय वर्ष 2008–09 में कार्यान्वित की जानेवाली इस योजना हेतु अनु0– में वर्णित पदाधिकारी, निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी होंगे ।

अत: अनुरोध है कि योजना का स्वीकृत्यादेश निर्गत करने की कृपा करें ।

<u>अनु0यथोक्त।</u>

आपका विश्वासी,

ह0/–
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास),
झारखण्ड, राँची–2

ज्ञापांक– **दिनांक–**

प्रतिलिपि प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड, रांची/ प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण–सह–मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड, रांची को सूचनार्थ प्रेषित ।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास),
झारखण्ड, राँची–2